जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

# राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 48 संख्याः 47 प्रभात कोटा, बुधवार 30 नवम्बर, 2022 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

सचिन पायलट और गहलोत के बीच, कांग्रेस के संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने आखिरकार सियासी सुलह तो करवा ही दी। वेणुगोपाल ने पहले बंद कमरे में दोनों से बात की फिर मीडिया के सामने दोनों को एक साथ लाए और कहा, "दिस इज़ राजस्थान कांग्रेस" हम पूरी तरह से एक हैं। सवाल यह है कि गहलोत द्वारा पायलट को गद्दार कहे जाने से उत्पन्न तल्खी क्या खत्म हो गई है या भारत जोड़ो यात्रा के राजस्थान से गुजर जाने के बाद फिर से इसका असर दिखेगा?

# गद्दार कहे जाने के बाद गहलोत-पायलट का हुआ आमना-सामना

## गहलोत ने कहा, जब राहुल गांधी ने कहा है कि दोनों नेता एसैट हैं तो एसैट हैं

- वेणुगोपाल ने कहा, सचिन पायलट और अशोक गहलोत कह चुके हैं, हम यात्रा तक ही नहीं, चुनाव तक एकजुट होकर काम करेंगे।
- पायलट ने कहा, हमें कोई उकसा नहीं सकता।

जयपुर, 29 नवम्बर (का.प्र.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के सचिन पायलट को खुलेआम गद्दार कहे जाने के बाद पहली बार दोनों नेता आमने-सामने हुए, लेकिन पिछली बार के विपरीत जब दोनों में अभिवादन तक नहीं हुआ था तो इस बार दोनों की आंख भी मिली और अभिवादन भी हुआ। माना जा रहा है कि जयपुर आए कांग्रेस संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने दोनो में सियासी सुलह करवा दी है।

तीन दिन पहले सचिन पायलट को गद्दार कहने के बाद भारत जोड़ो यात्रा की समन्वय समिति की बैठक में मंगलवार को गहलोत-पायलट के बीच नमस्कार हुई।

इसके बाद वेणुगोपाल ने पहले बंद कमरे में दोनों को मिलवाया, फिर मीडिया के सामने गहलोत-पायलट के हाथ खड़े करवाकर कहा- "दिस इज राजस्थान कांग्रेस। हम पूरी तरह एक हैं।"

वेणुगोपाल ने कहा कि सचिन पायलट और अशोक गहलोत कह चुके हैं, हम यात्रा तक ही नहीं, चुनाव तक एकजुट होकर काम करेंगे। हमारे नेता राहुल गांधी ने साफ कर दिया है कि गहलोत और पायलट दोनों पार्टी के लिए एसैट हैं।

भारत-जोड़ो यात्रा की तैयारी बैठक में पहुंचने पर पायलट- गहलोत ने एक-दूसरे का अभिवादन किया। इतना ही नहीं कांग्रेस के वॉर रूम में हुई बैठक के बाद गहलोत और पायलट ने एक साथ मीडिया से बातचीत की। इस दौरान गहलोत ने कहा कि राजस्थान में सब एकजुट हैं।

राहुल गांधी कह चुके हैं कि गहलोत और पायलट एसैट ही हैं। कांग्रेस में यही बड़ी बात है कि जब नंबर वन नंबर 2 नंबर 3 बोल देते हैं तो फिर वैसा ही होता है। वहीं पायलट ने कहा कि सभी मिलकर पार्टी को मजबूत करेंगे। हमें कोई उकसा नहीं सकता। बैठक में भारत जोड़ो यात्रा को लेकर चर्चा हुई है और राजस्थान ऐसा प्रदेश है, जहां कांग्रेस की सरकार है। जब राहुल गांधी की यात्रा राजस्थान में प्रवेश करेगी तो अन्य प्रदेशों से बढ़कर यहां उनका स्वागत होगा और सफल यात्रा रहेगी।

इससे पहले मुख्यमंत्री अशोक गहलोत बैठक के लिए पहुंचे तो पायलट ने हाथ जोड़कर उनका अभिवादन किया, इस पर गहलोत ने भी हाथ जोड़कर इसे स्वीकारा। यह तस्वीर छह दिन पहले गत 23 नवंबर इसी हॉल में हुई बैठक से बिल्कुल अलग थी। 23 नवंबर को दोनों के बीच कोई चर्चा नहीं हुई थी और टकराव साफ झलक रहा था।

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## ऑल इज़ वैल

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

इन्दौर, 29 नवम्बर। जबर्दस्ती के सद्भाव के फीके से दिखावे के तहत परस्पर विरोधी नेताओं- अशोक गहलोत तथा सचिन पायलट- के हाथ एक साथ उठवाये गये, ताकि यह संकेत जाये कि सब-कुछ ठीक-ठाक है।

इसके पीछे यही कारण रहा कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा राजस्थान से निर्विघ्न एवं सहज रूप से गुजर जाए तथा किसी चीज या किसी व्यक्ति द्वारा इसमें विघ्न न डाला जाये।

दोनों के बीच मध्यस्थ की भूमिका निभाने वाले के.सी. वेणुगोपाल, जिन्हें राहुल गांधी ने अपने दूत के रूप में भेजा था, गहलोत एवं पायलट के बीच समझौता कराने वाले व्यक्ति की भूमिका निभाई।

भारत जोड़ो यात्रा के सिलसिले में हुई मीटिंग के दौरान, वेणुगोपाल ने इस बात को

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# "कश्मीर फाइल्स" पर राजनीतिक व कूटनीतिक बयानबाजी छाई

## इज़रायली फिल्म निर्माता नादव लापिड़, जो फिल्म फैस्टिवल की जूरी के अध्यक्ष हैं, ने फिल्म को "अश्लील" (वल्गर) व प्रचार-उन्मुख (प्रपोगैण्डा) बताया

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 नवम्बर। आर.एस.एस.-भाजपा समर्थित फिल्म "द कश्मीर फाइल्स" एक इज़राइली फिल्म निर्माता नादव लैपिड की टिप्पणी के बाद एक बार फिर कूटनीतिक एवं राजनैतिक झंझावात में फँस गई है। उन्होंने गोवा में आयोजित इन्टरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया में इस फिल्म को "अशिष्ट" एवं "दुष्प्रचार" की संज्ञा दी। उन्होंने अपना यह आँकलन कल जूरी के चेयरमैन की हैसियत से दिया।

उनकी इस टिप्पणी के बाद जहाँ भारत में इज़राइल के राजदूत नेओर गिलन को उन्हें डाँटने-फटकारने के लिये तुरन्त ही जाना पड़ा तथा उन्हें कहना पड़ा कि लेपिड को "शर्मिन्दा" होना चाहिये क्योंकि फिल्म फेस्टिवल में जजों के पैनल की अध्यक्षता के भारत के आमंत्रण का "निकृष्टतम तरीके से दुरुपयोग किया है, वहीं विपक्षी दल इज़राइली फिल्म-निर्माता के बचाव में आगे आ गये तथा इन दलों ने सच्ची बात कह देने के लिये उनकी भूरि-भूरि प्रशंसा की।

लेपिड, जिन्हें इन्टरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया (आई.एफ.एफ.आई.) में जजों के पैनल की अध्यक्षता करने के लिये आमंत्रित किया था, ने यह भी कहा था कि वे इस फिल्म को प्रतिस्पर्धी वर्ग में शामिल किये जाने से "स्तब्ध" एवं "विक्षुब्ध" हैं।

लेपिड के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुये, शिव सेना नेता संजय राउत ने मंगलवार को कहा, "कश्मीर फाइल्स के बारे में यह सच्चाई है। यह एक पार्टी का एक अन्य पार्टी के खिलाफ दुष्प्रचार था। एक दल और सरकार पब्लिसिटी में लगे हुये थे। कश्मीर में सबसे ज्यादा संख्या में हत्याएं इस फिल्म के बाद ही हुई थी। कश्मीरी पंडित तथा सुरक्षाकर्मी बड़ी संख्या में मारे गये थे।"

- इजरायल के भारत में राजदूत नाओर जीलोन ने फिल्म निर्माता की इस टिप्पणी से शर्मिन्दा होने की बात कही तथा यह भी कहा, फिल्म निर्माता ने भारत के निमंत्रण व आतिथ्य का दुरूपयोग किया।
- कांग्रेस, शिव सेना, भाजपा ने इस घटनाक्रम पर परस्पर विरोधी बयानबाजी की। फिल्म फैस्टीवल द्वारा गठित जूरी के कुछ सदस्यों ने जूरी के अध्यक्ष की टिप्पणी से मतभेद जाहिर किए और उनकी टिप्पणी से दूरी बनाई।

लेपिड की टिप्पणी को लेकर कांग्रेस ने सरकार पर हमला बोल दिया तथा इसे "लज्जास्पद" बताया तथा कहा कि अन्ततः नफरत को चुनौती मिलती ही है। कांग्रेस प्रवक्ता तथा पार्टी के सोशल मीडिया विभाग की प्रमुख सुप्रिया श्रीनाटे ने कहा, "प्रधानमंत्री मोदी, उनकी सरकार भाजपा, आर.डब्ल्यू. ईकोसिस्टम ने "कश्मीर फाइल्स", जिसे इन्टरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया ने नकार दिया, को जबरदस्त तरीके से बढ़ावा दिया था। जूरी प्रमुख नादव लेपिड ने इसे "प्रोपेगन्डा, अभद्र फिल्म तथा फिल्म फेस्टिवल के लिये अनुपयुक्त बताया है।" उन्होंने सोमवार को देर रात गये एक ट्वीट में कहा, "अन्ततः नफरत को चुनौती मिलती ही है।"

कांग्रेस की एक अन्य प्रवक्ता शमा मोहम्मद ने मंगलवार को एक ट्वीट में कहा, "इन्टरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया की जूरी के अध्यक्ष नादव लेपिड ने किसी भी बिन्दु पर न तो कश्मीरी पंडितों के प्रस्थान से इंकार किया है और न इसे खारिज ही किया है।"

किन्तु भाजपा के अमित मालवीय ने लेपिड द्वारा की गई "कश्मीर फाइल्स" की तुलना "होलोकास्ट" को नकारे जाने से की। "होलोकास्ट" और "शिंडलर्स लिस्ट" को दुष्प्रचार बताना ठीक वैसा ही है, जैसा कुछ लोग "कश्मीर फाइल्स" के प्रति कर रहे हैं। पार्टी के आई.टी. विभाग के प्रमुख ने कहा, "अन्ततः सत्य की जीत होती है, चाहे जो भी हो जाये।"

इस आग को तुरन्त ही बुझाने की कोशिश में, भारत में इज़राइल के राजदूत ने आज अपने देश के इस फिल्म निर्माता की सार्वजनिक रूप से भर्त्सना की, जिसने गोवा में आयोजित इन्टरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया (आई.एफ.एफ.आई.) में "कश्मरी फाइल्स" को एक "दुष्प्रचार" तथा अभद्र फिल्म बताया था। नादव लेपिड की इस टिप्पणी के एक दिन बाद, इज़राइली राजदूत नेआरे गिलन ने भी ट्विटर पर एक "खुले पत्र" में भारत से माफी माँगी। ज्ञातव्य है कि जूरी की अध्यक्षता कर रहे लेपिड ने कल फिल्म फेस्टिवल के समापन समारोह में फिल्म "कश्मीर फाइल्स" पर जमकर प्रहार किये थे।

इज़राइली राजदूत ने कहा,

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## अलवर सहित तीन जिला क्रिकेट संघों की मान्यता बहाल

जयपुर, 29 नवंबर (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन (आर.सी.ए.) की 4 जुलाई 2022 की बैठक में श्रीगंगानगर, नागौर और अलवर जिला क्रिकेट संघों

- राजस्थान हाई कोर्ट ने आर.सी.ए. के अलवर, नागौर और श्रीगंगानगर जिला क्रिकेट संघों की मान्यता रद्द करने का फैसला निरस्त किया, पर आर.सी.ए. को छूट दी है कि, वह यह मसला लोकपाल के समक्ष उठा सकता है।

की मान्यता रद्द करने वाले प्रस्ताव को आपसी सहमति के आधार पर निरस्त कर दिया है। हालांकि अदालत ने आर.सी.ए. को छूट दी है कि वह इन तीनों जिला संघों की मान्यता से जुड़े मुद्दे पर आपत्ति होने पर उसे लोकपाल के

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# राहुल गांधी ने महाकाल मंदिर में साष्टांग प्रणाम किया

## भारी आम सभा को संबोधित करते हुए भी उन्होंने हिन्दुत्व के दर्शन की प्रशंसा की कि, हिन्दुस्तान व हिन्दू धर्म तपस्या को भारी महत्व देता है तथा तपस्वियों को आदर व सम्मान से देखता है

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

उज्जैन (मध्य प्रदेश), 29 नवम्बर। भारत जोड़ो यात्रा जैसे ही उज्जैन पहुंची तो महाकाल की इस महाप्रतापी नगरी में राहुल गांधी छा गए। वह महाकाल के दर्शनों को गए, जहां उन्होंने भगवान शिव के समक्ष स्वयं को नतमस्तक कर दिया।

राहुल गांधी ने उज्जैन में जब तक सार्वजनिक सभा को संबोधित किया तो उन्होंने भी हिन्दू प्रतीकात्मकता की थीम अपनाई, लेकिन उनकी थीम विनम्र हिन्दूवाद को लेकर थी।

ग्रहणशील श्रोताओं से खचाखच भरे एक मैदान में राहुल गांधी ने कहा कि "ये देश तपस्या का है और हिन्दू धर्म भी तपस्याओं का है।"

उनका भाषण मूलतः तपस्या की अवधारणा पर रहा, जो हिन्दूवाद का आंतरिक एवं महत्वपूर्ण भाग है। उनके पूरे भाषण में यह विषय छाया रहा कि इस देश और हिन्दू वाद में किस प्रकार युगों-युगों से तपस्या के सिद्धांत ने आदर प्राप्त किया है।

जब राहुल गांधी कहते हैं कि ये देश तपस्याओं का है तो क्या वह अप्रत्यक्ष रूप से यह कह रहे हैं कि ये देश हिन्दुओं का है? क्या राहुल गांधी पार्टी की धारणा को बदलने की कोशिश कर रहे हैं और उस कांग्रेस की मुस्लिम समर्थित छवि को समाप्त करने की कोशिश कर रहे हैं, जो अल्पसंख्यक तुष्टिकरण में विश्वास करती रही है।

ऐसा प्रतीत होता है कि नरेन्द्र मोदी की हिन्दुत्व राजनीति का मुकाबला करने के लिए राहुल गांधी भी गुजरात के वोटर्स को लक्ष्य बना रहे हैं, जहां विधानसभा चुनावों के लिए चुनाव प्रचार चरम पर है।

राहुल ने गुजरात में सिर्फ एक दिन ही प्रचार किया, लेकिन उनका उज्जैन संबोधन गुजरात के लोगों के लिए एक पुरजोर व स्पष्ट कथन है कि कांग्रेस हिन्दू धर्म को मानने वाली पार्टी है और उसके

- क्या राहुल गुजरात के, जहां चुनाव प्रचार अंतिम चरणों में हैं, वोटर को संबोधित कर रहे थे, यह जता कर कि, कांग्रेस पार्टी हिन्दू धर्म के खिलाफ नहीं है, बल्कि हिन्दू धर्म की परम्परा व रीति रिवाजों में पूर्ण आस्था रखती है।

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# क्या गोविंद डोटासरा इतने सक्षम हैं, जो गहलोत की बयानबाजी के खिलाफ आलाकमान को रिपोर्ट दे सकें

## बयानबाजी नहीं करने की एडवाइज़री के उल्लंघन पर के.सी. वेणुगोपाल ने डोटासरा को रिपोर्ट देने को कहा

जयपुर, 29 नवम्बर (का.प्र.)। राजस्थान कांग्रेस में 25 सितंबर को हुए घटनाक्रम के बाद नेताओं की बयानबाजी पर लगाम लगाने के लिए संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने एडवाइज़री जारी की थी। उस एडवाइज़री के खिलाफ जाकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सहित कई मंत्रियों और विधायकों ने बयानबाजी की। इस एडवाइजरी के उल्लंघन पर जब खुद के.सी. वेणुगोपाल से सवाल किया गया तो उनका कहना था कि इस बारे में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष से रिपोर्ट मांगी गई है।

अब यह कितना हास्यास्पद है, कि जिन बयानों का प्रसारण राष्ट्रीय मीडिया और टीवी चैनलों पर हुआ और जो जगजाहिर हैं, उनके बारे में रिपोर्ट मांगी जा रही है और यहां सवाल यह है कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा क्या इतने सक्षम हैं,जो मुख्यमंत्री अशोक गहलोत बयानबाजी को लेकर कोई रिपोर्ट पार्टी के संगठन महासचिव को दे सकें।

भारत जोड़ो यात्रा की राजस्थान में तैयारियों के संबंध में हुई समन्वय समिति की बैठक में आए के.सी. वेणुगोपाल से जब यह पूछा गया कि आप की ओर से जारी एडवाइज़री के बावजूद लगातार बयानबाजी हो रही है और खुद मुख्यमंत्री तक इस तरह की बयानबाजी कर रहे हैं, तो क्या किसी पर अनुशासनात्मक कार्यवाही होगी। इस बात पर संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल का कहना था कि इस बारे में हमने प्रदेश कांग्रेस से रिपोर्ट मांगी है। इसका मतलब साफ है कि प्रदेश कांग्रेस के ऊपर सारी बात डालकर के.सी. वेणुगोपाल विवाद से अपना पल्ला झाड़ कर चले गए।

जबकि हकीकत यह है कि 25 सितंबर को राजस्थान में कांग्रेस विधायक दल की अधिकृत बैठक बुलाई गई थी, जिसमें पार्टी आलाकमान की ओर से पर्यवेक्षक के रुप में राज्यसभा में पार्टी के नेता मलिकार्जुन खड़गे, जो कि अब पार्टी के अध्यक्ष हैं और राजस्थान के प्रभारी महासचिव अजय माकन को भेजा गया था। उस बैठक का बहिष्कार कर समानांतर विधायक दल की बैठक बुलाई गई। बैठक संसदीय कार्य मंत्री शांति धारीवाल के निवास पर हुई और उसमें मुख्य सचेतक महेश जोशी ने उसके लिए विधायकों को सूचना भेजी थी। जबकि इन दोनों की जिम्मेदारी सदन में और सदन के बाहर विधायकों को पार्टी के प्रति एकजुट रखने की होती है। इतना होने के बाद शांति धारीवाल, महेश जोशी और समानांतर बैठक की व्यवस्था में सहयोगी धर्मेंद्र राठौड़ को पार्टी की ओर से अनुशासनात्मक मामले में नोटिस जारी किए गए, लेकिन लगभग 3 महीने हो गए है और इनके जवाब के बाद भी आज तक यह पता नहीं है कि क्या इन तीनों ने समानांतर बैठक बुलाकर अनुशासन तोड़ा था या फिर इन्होंने सही किया था। जब इतनी बडी घटना के बावजूद कांग्रेस आलाकमान, जिसमें कि पर्यवेक्षक बनकर आए मलिकार्जुन खड़गे, जो कि अब खुद आलाकमान की जगह हैं, कोई निर्णय नहीं कर पाए तो क्या आने वाले दिनों में पार्टी किसी भी तरह की बयानबाजी को लेकर कार्यवाही करने में सक्षम हो सकती है। यह सवाल कांग्रेस के हलकों में हर कोई पूछ रहा है।

- गौरतलब है कि 25 सितम्बर को हुए घटनाक्रम के बाद 27 सितम्बर को के.सी. वेणुगोपाल ने खुद एडवाइज़री जारी की थी और बयानबाजी करने पर कार्यवाही की चेतावनी दी थी।
- इसके बाद से इस एडवाइज़री का उल्लंघन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सहित कई मंत्री और विधायक कर चुके हैं।
- सवाल यह है कि, जब पार्टी 25 सितम्बर को पार्टी की अधिकृत विधायक दल की बैठक का बहिष्कार कर समानांतर बैठक करने वालों के खिलाफ कार्यवाही नहीं कर पाई तो आगे क्या उम्मीद?

इन सब सवालों को तो संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल टाल गए,लेकिन अशोक गहलोत और सचिन पायलट के हाथ एक साथ उठाकर यह संदेश दे गए कि "दिस इज राजस्थान कांग्रेस।" यह वैसा ही है जैसा कि राहुल गांधी ने भी विद्याधर नगर स्टेडियम में किया था, लेकिन राहुल गांधी की ओर से हाथ उठवाने के बावजूद भी पार्टी में एकजुटता नहीं दिखी और अब भी सवाल यही है कि क्या सिर्फ हाथ उठाने से पार्टी एकजुट नजर आएगी। क्या मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की ओर से सचिन पायलट पर अब तक चलाए गए कड़वे शब्दबाण भुला दिए जाएंगे। इन सब सवालों के बीच अब देखना यह है कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा राजस्थान से गुजरने के बाद कांग्रेस में क्या बदलाव होता है या फिर सवाल यूं ही खड़े रहेंगे?

## चंदन के पेड़ बरामद

झालावाड़, 29 नवम्बर (निसं)।कोतवाली थाना पुलिस ने चंदन के पेड़ चुराने वाले गिरोह का पता लगाया और तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है और कटे हुए पेड़ बरामद किए गए हैं।

आरोपी असलम खान, पुत्र कंजू खान, निवासी झिकडिया थाना रायपुर, हरिराज भील, पुत्र ग्यारसी राम, निवासी गुराडिया थाना सुनेल एवं सत्यनारायण, उर्फ शेरू भील, पुत्र मांगीलाल, निवासी

- पुलिस ने चंदन के पेड़ चोरी करने वाले गिरोह के तीन आरोपी गिरफ्तार किए।

धोरा पाटन थाना झालरापाटन को गिरफ्तार किया गया है। एसपी ऋचा तोमर ने बताया कि जिले में नकबजनी, वाहन चोरी की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए, थाना स्तर पर टीम गठित कर आपराधिक प्रवृत्ति के बदमाशों को चिन्हित कर उनकी धरपकड़ के लिए विशेष अभियान चलाया गया है। वह

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )